खबर संक्षेप

शहडोल पुलिस के तीन स्तंभों की ऐतिहासिक पारी का समापन

शहडोल। पुलिस की नौकरी महज आठ घंटे की ड्यूटी नहीं, बल्कि समाज के लिए अपनी जिंदगी को होम कर देने वाला कांटों भरा सफर है। इस कठिन और चुनौतीपूर्ण पथ पर अपनी जिंदगी के तीन से चार दशक देश सेवा में समर्पित करने के बाद शहडोल पुलिस विभाग के तीन जांबाज अफसर और कर्मचारी मंगलवार को ससम्मान सेवानिवृत्त हो गए। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित एक बेहद भावुक और गरिमामय समारोह में इन कर्मवीरों को विदाई दी गई। पुलिस कप्तान ने विदा हो रहे पुलिसकर्मियों को शॉल ओढ़ाकर, श्रीफल भेंट किया और उनके आने वाले जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

विदाई समारोह के दौरान जब इन अधिकारियों के सेवाकाल का लेखा-जोखा पढ़ा गया, तो पूरा सभागार तालियों की गडगड़ाहट से गूंज उठा। सेवानिवृत्त होने वाले जांबाजों में मुकेश अबिद्धा एसडीओपी 18 सितंबर 1992 को पुलिस विभाग में कदम रखने वाले श्री अबिद्धा ने कानून व्यवस्था को बनाए रखने में कई अहम भूमिकाएं निभाईं। श्रीमती रमा आर्मो निरीक्षक 27 नवंबर 1990 को विभाग में भर्ती हुईं इंस्पेक्टर रमा आर्मो ने महिला सुरक्षा और संगीन अपराधों के खुलासे में हमेशा फ्रंटफुट पर रहकर काम किया। फूल सिंह कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक 17 सितंबर 1984 से, यानी पिछले 42 वर्षों से लगातार खाकी की लाज रखने वाले एएसआई फूल सिंह ने विभाग को अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा हिस्सा सौंप दिया।

इस मौके पर विदा हो रहे पुलिस अधिकारियों ने अपने दशकों लंबे कार्यानुभव और यादों को साझा किया। उन्होंने कहा कि पुलिस की वर्दी पहनकर जनता की सेवा करना उनके जीवन का सबसे गौरवशाली अध्याय रहा। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने वरिष्ठ अधिकारियों और मातहतों के सहयोग को दिया। साथ ही, वर्तमान पुलिस बल को संदेश दिया कि वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जनसेवा के संकल्प के साथ अपराधियों पर काल बनकर टूटें और पीड़ितों को न्याय दिलाएं।

पुलिस अधीक्षक ने अपने उद्बोधन में विदा हो रहे अधिकारियों की जमकर पीठ थपथपाई। एसपी ने कह पुलिस सेवा कोई आम नौकरी नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति खुद को समर्पित कर देने का दायित्व है। जिन अधिकारियों ने आज विदाई ली है, उनका अनुशासित और समर्पित कार्यकाल नए पुलिसकर्मियों के लिए हमेशा एक मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत की तरह काम करेगा। एसपी ने तीनों सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और उनके परिवार के सुख-समृद्धिशाली भविष्य की मंगलकामना करते हुए उन्हें विदा किया। इस दौरान विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे, जिनकी आंखें अपने सीनियर साथियों को विदा करते वक्त नम नजर आईं।

अपराधियों को पाताल से भी ढूंढकर सलाखों के पीछे भेजें, वरना सीधे नपेंगे

ढर्रेबाजी बंद करें थानेदार: कप्तान

शहडोल। जिले की कानून-व्यवस्था को पूरी तरह चाक-चौबंद करने और खौफ का पर्याय बन चुके अपराधियों की रीढ़ की हड्डी तोडऩे के लिए शहडोल पुलिस कप्तान रामजी श्रीवास्तव ने अब रौद्र रूप अख्तियार कर लिया है। मंगलवार 30 जून 2026 को पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित साल की सबसे हाई-प्रोफाइल मासिक क्राइम मीटिंग में एसपी ने जिले के सभी राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रभारियों की ऐसी क्लास ली, जिससे पूरे महकमे में हडक़ंप मच गया है। बंद कमरे में हुई इस मैराथन बैठक में कप्तान ने साफ और कड़ा संदेश दे दिया है कि शहडोल की भोली-भाली जनता की सुरक्षा से खिलवाड़ और वर्दी की धमक में ढर्रेबाजी अब कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जो काम नहीं करेगा, वह थानेदारी छोडऩे के लिए तैयार रहे।

थानों में धूल खा रहीं पेंडिंग फाइलों पर फूटा गुस्सा

मीटिंग की शुरुआत होते ही एसपी श्री श्रीवास्तव ने एक-एक थाने के क्राइम ग्राफ और पेंडिंग केसों का कच्चा चि_ा खोलकर रख दिया। थानों में महीनों से धूल खा रहीं विवेचना की फाइलों, कोर्ट में चालान पेश करने में की जा रही लापरवाही और मर्ग प्रकरणों के ठंडे बस्ते में पड़े होने पर कप्तान का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उन्होंने संबंधित थाना प्रभारियों को आड़े हाथों लेते हुए पूछा कि आखिर फाइलों का अंबार क्यों लगा है? एसपी ने दोटूक लहजे में अल्टीमेटम दिया कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों और आम जनता के आवेदनों को टेबल पर दबाकर रखने का खेल अब बंद होना चाहिए। हर शिकायत का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निपटारा जमीन पर दिखना चाहिए, वरना गाज गिरने के लिए संबंधित थानेदार खुद को तैयार रखें।

पेंडिंग फाइलों पर बरसे कप्तान, दिए दोटूक निर्देश

कछुआ चाल छोड़ें विवेचक

जिले में बढ़ रहे संपत्ति संबंधी अपराधों जैसे चोरी, नकबजनी, लूट और डकैती पर लगाम कसने के लिए पुलिस अधीक्षक के तेवर बेहद तल्ख नजर आए। उन्होंने साफ कहा कि संगीन मामलों में पुलिस की कछुआ चाल अपराधियों के हौसले बुलंद कर रही है, जिसे तत्काल बदलना होगा। इसके साथ ही, कप्तान ने सभी थाना प्रभारियों को गुंडे, मवालियों और जिला बदर से लौटे बदमाशों की सूचियां अपडेट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई और माइनर एक्ट के तहत ताबड़तोड़ एक्शन शुरू किया जाए, ताकि अपराधी

सडक़ पर निकलने से पहले सौ बार सोचे।

संवेदनशीलता की कमी हुई तो होगी बर्खास्तगी

बैठक का सबसे संवेदनशील और आक्रामक रुख महिला सुरक्षा पर देखने को मिला। एसपी ने कड़े और सख्त लहजे में हिदायत दी कि महिलाओं, युवतियों और मासूम बच्चियों के विरुद्ध होने वाले किसी भी छोटे-बड़े अपराध में थोड़ी भी लापरवाही या संवेदनशीलता की कमी अक्षम्य होगी। ऐसे संवेदनशील मामलों में पुलिस बिना एक सेकंड गंवाए तत्काल एफआईआर दर्ज करे, वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए और त्वरित विवेचना कर आरोपियों को कोर्ट से कठोरतम सजा दिलाए। इसके अलावा, लंबे समय से लापता और गुमशुदा इंसानों की तलाश के लिए विशेष अभियान चलाने तथा आधुनिक तकनीक के दौर में ई-एफआईआर के मामलों को भी प्राथमिकता से सुलझाने का एक सख्त रोडमैप तैयार किया गया।

कप्तान की आखिरी नसीहत

मीटिंग के आखिरी दौर में कप्तान रामजी श्रीवास्तव ने सभी पुलिस अधिकारियों को पूरी जवाबदेही, पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ अपनी ड्यूटी निभाने की अंतिम चेतावनी दी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शहडोल पुलिस की धमक अपराधियों के दिलों में डर पैदा करने वाली और आम जनता के चेहरों पर मुस्कान व भरोसा लाने वाली होनी चाहिए। जनता की जायज शिकायतों पर टालमटोल करने वाले और कानून-व्यवस्था को हल्के में लेकर अपनी जागीर समझने वाले अधिकारियों के खिलाफ अब सीधे विभागीय हंटर (निलंबन व लाइन हाजिर) चलेगा। अब देखना यह दिलचस्प होगा कि शहडोल पुलिस के मैदानी अफसर कप्तान के इन बेहद कड़े, धारदार और तीखे आदेशों को जमीन पर कितनी तेजी और मुस्तैदी से उतारते हैं।

दो चोरियों का पर्दाफाश, आदतन अपराधी सैफ गिरफ्तार

शहडोल। इलाके में लगातार चोरी की वारदातों से चुनौती दे रहे अपराधियों के खिलाफ सोहागपुर पुलिस ने सर्जिकल स्ट्राइक की है। पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर नकबजनी की दो बड़ी वारदातों का सनसनीखेज पर्दाफाश करते हुए एक बेहद शातिर और आदतन अपराधी को दबोचने में बड़ी सफलता हासिल की है। पकड़ा गया आरोपी इलाके का हिस्ट्रीशीटर है, जिसके खिलाफ पहले से ही कोतवाली और सोहागपुर थाने में 9 गंभीर अपराध दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी का शत-प्रतिशत माल (कीमत करीब 60 हजार रुपये) बरामद कर उसे सलाखों के पीछे भेज दिया है।

29 जून को सोहागपुर थाने में चोरी की दो अलग-अलग वारदातें दर्ज हुईं, जिसने पुलिस महकमे को अलर्ट मोड पर ला दिया। पहली वारदात वार्ड क्रमांक 5 में हुई, जहां फरियादी अविनाश कुमार तिवारी उम्र 63 वर्ष के निर्माणाधीन मकान का ताला तोडक़र चोर ने ग्राइंडर मशीन, नापने का टेप, दो हथौड़ी और ताले पार कर दिए थे। वहीं, दूसरी वारदात अंसारी कॉलोनी में रहने वाले संजय कुकड़े उम्र 46 वर्ष के घर हुई, जहां चोर ने पीछे के दरवाजे की सिटकिनी चटकाकर दो महंगे स्मार्टफोन, एक स्मार्ट वॉच, मेकअप

का सामान और नकदी उड़ा ली थी। दोनों मामलों में पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 331(4) और 305(ए) के तहत केस दर्ज कर चोर की तलाश शुरू की।थाना प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने जाल बिछाया। पुलिस ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय करने के साथ ही तकनीकी साक्ष्यों का बारीकी से विश्लेषण किया। इस दौरान रजक मोहल्ला निवासी सैफ उर्फ शेख साहिल पिता शेख मुश्ताक, उम्र 27 वर्ष को संदिग्ध हालत में हिरासत में लिया गया। जब पुलिसिया अंदाज में कड़ाई से पूछताछ हुई, तो शातिर बदमाश टूट गया और उसने दोनों चोरियों को अंजाम देना कबूल कर लिया।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी सैफ के कब्जे से दोनों चोरियों का शत-प्रतिशत मशरूका बरामद कर लिया है, जिसमें नीले और लाल रंग के बैग, दो मोबाइल, स्मार्ट वॉच, ग्राइंडर मशीन, औजार और नकदी शामिल है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी अरुण कुमार पाण्डेय के साथ प्रधान आरक्षक सुरेंद्र पटेल और प्रधान आरक्षक मुकेश पटेल की भूमिका रही।

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित

शहडोल। कुलगुरु प्रो. रामशंकर के निर्देशन में पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय, शहडोल परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा मंगलवार, 30 जून 2026 को रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए बड़ी संख्या में रक्तदान कर मानव सेवा का प्रेरणादायी संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ ब्लड बैंक, जिला शहडोल से आए विशेषज्ञों एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। अतिथियों का स्वागत राष्ट्रीय सेवा योजना महिला इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. धानी जामोद द्वारा किया गया।इस अवसर पर शहडोल परिसर प्रभारी प्रो. गीता सराफ ने स्वयंसेवकों को कुटुंब भाव एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ सेवा कार्यों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया। डॉ. पूर्णिमा शर्मा ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक यूनिट रक्त कई लोगों के जीवन की रक्षा कर सकता है। वहीं डॉ. रजनी गौतम ने स्वयंसेवकों को आध्यात्मिक मूल्यों को अपनाकर ऊर्जावान एवं सकारात्मक व्यक्तित्व निर्माण का संदेश दिया।ब्लड बैंक, जिला शहडोल से उपस्थित डॉ. सुमितदास गुप्ता ने रक्तदान महादान की भावना पर अपने विचार व्यक्त करते हुए नियमित रक्तदान के लाभ बताए। काउंसलर श्यामला राव ने रक्तदान से जुड़े विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी तथा

स्वयंसेवकों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। रक्तदान विषयक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्वयंसेवकों को शील्ड एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आचार्य जयप्रकाश द्विवेदी, राजेश मेहरा, रामप्रसाद, राजकुमार सहित अनेक गणमान्यजन एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय सेवा योजना पुरुष इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मुनिश सिंह नेगी ने सभी अतिथियों, चिकित्सकों, ब्लड बैंक की टीम एवं स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त किया। रक्तदान शिविर ने विश्वविद्यालय परिसर में सामाजिक उत्तरदायित्व, मानव सेवा और जन-जागरूकता का प्रेरणादायी संदेश प्रसारित किया।

3 महीने से भूखे पेट काम कर रहे 52 सफाई कर्मी, 23 को नौकरी से निकाला

मजदूर संघ ने दिया 3 दिन का अल्टीमेटम, थमेगा शहर का चक्का

शहडोल। स्वच्छ भारत अभियान का दम भरने वाली शहडोल नगरपालिका परिषद का अमानवीय और दमनकारी चेहरा सामने आया है। शहर को साफ-सुथरा रखने वाले 52 सफाई कामगारों को पिछले 3 महीनों से वेतन नहीं दिया गया है, जिससे उनके घरों में चूल्हा जलना बंद हो गया है। इतना ही नहीं, अपनी मनमानी पर उतारू नगरपालिका प्रशासन ने 23 सफाईकर्मियों को बिना किसी ठोस कारण के 20 मई 2026 से काम से बाहर बैठा दिया है। इस घोर अन्याय के खिलाफ भारतीय सफाई मजदूर संघ ने मोर्चा खोलते हुए सीधे नगरपालिका अध्यक्ष और मुख्य नगरपालिका अधिकारी को अल्टीमेटम थमा दिया है।

मजदूर संघ के नगर अध्यक्ष बाल्मीक कुण्डे द्वारा 30 जून 2026 को जारी इस पत्र में प्रशासन की घोर लापरवाही को उजागर किया गया है। संघ ने साफ किया कि इस संबंध में 15 जून 2026 को भी लिखित शिकायत (पत्र क्र. 0-11) दी गई थी, लेकिन रीढ़विहीन प्रशासनिक तंत्र टस से मस नहीं हुआ। अधिकारियों की इसी तानाशाही के कारण अब सफाईकर्मियों का सब्र का बांध टूट चुका है।

संघ ने आरोप लगाया कि कई कर्मचारियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति जबरन बंद कर दी गई, जिसके बावजूद उनसे लगातार काम लिया गया और अब उनका वेतन रोककर उनका आर्थिक शोषण किया जा रहा है। इसके अलावा, साप्ताहिक अतिरिक्त कार्य और आउटसोर्स कर्मचारियों के एरियर का भुगतान भी अटका पड़ा है।

मजदूर संघ ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि अगले 3 दिनों के भीतर सभी 52 सफाई कामगारों का 3 महीने का बकाया वेतन नहीं मिला, बाहर किए गए 23 कर्मचारियों को काम पर वापस नहीं लिया गया और एरियर का पूरा भुगतान नहीं हुआ, तो सफाईकर्मी काम बंद कर नगर पालिका कार्यालय के सामने उग्र धरना-प्रदर्शन और आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। इस आंदोलन से उत्पन्न होने वाली गंदगी और अव्यवस्था की पूरी जिम्मेदारी शहडोल नगरपालिका प्रशासन की होगी। इस पत्र की प्रतिलिपि केंद्रीय व राज्य आयोग, संभागीय आयुक्त और कलेक्टर सहित पुलिस महकमे को भी भेजी जा चुकी है।

बुढ़ार जनपद में मनरेगा बजट की खुली डकैती

एपीओ दिवाकर और एसडीओ राघवेंद्र की जुगलबंदी ने पार कीं भ्रष्टाचार की सारी हदें

शहडोल। जिले की बुढ़ार जनपद पंचायत में इन दिनों महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का बजट क्या आया, जिम्मेदार अधिकारियों ने अपने ईमान और कर्तव्य का सरेआम सौदा कर लिया। विकास के नाम पर आई करोड़ों रुपये की भारी-भरकम राशि को पलक झपकते ही ठिकाने लगाने के लिए जनपद के दो रसूखदार अधिकारी अपनी पूरी ऊर्जा और शातिर दिमाग झोंक रहे हैं।

बुढ़ार ब्लॉक में पदस्थ अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी (एपीओ) दिवाकर सिंह और ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओ) राघवेंद्र सिंह की रणनीतिक सांठगांठ ने क्षेत्र में भ्रष्टाचार के सारे पुराने कीर्तिमान ध्वस्त कर दिए हैं। वातानुकूलित कमरों में बैठकर फर्जी मस्टर रोल तैयार करना, चहेते व्यापारियों के माध्यम से बिना सामग्री आपूर्ति के लाखों-करोड़ों के फर्जी बिल पास कराना और पंचायतों में बिना काम किए ही राशि निकाल लेना अब बुढ़ार जनपद की रोजमर्रा की कार्यप्रणाली बन चुका है। ग्रामीण रोजगार के नाम पर आई इस राशि का बंदरबांट इतनी बेरहमी से किया जा रहा है कि वास्तविक मजदूर आज भी दो वक्त की रोटी के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं, जबकि साहबों की आलीशान गाडिय़ां और बंगले इस बात की गवाही दे रहे हैं कि मनरेगा का असली लाभ किसे मिल रहा है।

पुराना है काले कारनामों का इतिहास

यह कोई पहला मौका नहीं है जब इन दोनों अधिकारियों की नीयत पर उंगलियां उठी हैं। एपीओ दिवाकर सिंह पर पूर्व में भी तालाब निर्माण, मेढ़ बंधान और वृक्षारोपण जैसे कार्यों में भारी हेरफेर करने के गंभीर आरोप लगे हैं। मृत व्यक्तियों और सरकारी कर्मचारियों के नाम पर मजदूरी निकालने के मामलों में इनके खिलाफ शिकायतें दर्ज हैं, जिनकी फाइलें वरिष्ठ कार्यालयों में धूल फांक रही हैं। वहीं एसडीओ राघवेंद्र सिंह का विवादित इतिहास भी कम दागदार नहीं है। निर्माण कार्यों की तकनीकी स्वीकृति और मूल्यांकन के एवज में मोटा कमीशन वसूलने तथा उप-यंत्रियों पर अनुचित दबाव बनाने के गंभीर आरोप इन पर लग चुके हैं। इनके कार्यकाल में निर्मित कई सडक़ें पहली बारिश में ही बह गईं, जिसकी शिकायतें लोकायुक्त तक पहुंची थीं। जब दोनों ही अधिकारियों का पिछला रिकॉर्ड इतना विवादित रहा है, तो फिर गरीबों के पेट से जुड़े बजट की चाबी इन्हीं भ्रष्ट हाथों में क्यों सौंप दी गई? क्या जिला प्रशासन इस खुली लूट से अनजान है या फिर इस बहती गंगा में ऊपर तक हिस्सेदारी पहुंच रही है? करोड़ों के इस बजट को ठिकाने लगाने की यह अंधी दौड़ उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग कर रही है। यदि वक्त रहते वरिष्ठ अधिकारियों ने इस बेलगाम जुगलबंदी पर नकेल नहीं कसी, तो बुढ़ार जनपद का यह मनरेगा बजट सिर्फ कागजी आंकड़ों और इन साहबों की तिजोरियों तक ही सिमटकर रह जाएगा।

न्यायालय-श्रीमती अभिसारिका माहने, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड शहडोल, जिला-शहडोल म.प्र.
व्यवहारवाद प्रकरण क्रमांक-128/2025
साजरा.....आवेदक
वनाम
रसीद वगै.....अनावेदक
प्रोसेस क्र. क्यू /2026
पेशी दिनांक 20.07.2026
प्रेषिती,
1. नूरजहा पिता नत्थू उर्फ दिलदार खान निवासी- नरगडा मोहल्ला धनपुरी जिला शहडोल म.प्र. 2. जोहरा पिता नत्थू उर्फ दिलदार पत्नी जीलल खान निवासी- मधुवनपारा जिला रायगढ छ.ग. 3. शेख अब्दुल रसीद उर्फ शेख हनीफ पिता अब्दुल रहमान खान निवासी पठान मोहल्ला बरेली पो. बरबसपुर जिला बिलासपुर छ.ग.

यह कि वादी साबरा बेगम पिता स्व. मीर अब्दुल्ला पति स्व. सफीक खान, निवासी- सोहागपुर वार्ड नं. 5 शहडोल हाल मुकाम ग्राम जमुई थाना व तहसील सोहागपुर जिला शहडोल जिला शहडोल म.प्र. ने वाद सस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन दिनांक 30.06.2026 को वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/ हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मूजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टी करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थित में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावे । यह आज तारीख 18/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

(श्रीमती अभिसारिका माहने)
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश,
कनिष्ठ खण्ड शहडोल (म.प्र.)

कृपया ध्यान दें: यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

नगरीय निकाय कर्मियों की सेवाकाल में असमय मृत्यु पर आश्रितों को मिलेगा 1.25 लाख रुपये तक का अनुग्रह अनुदान

शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रगतिशील सोच और लोककल्याणकारी नीतियों के चलते मध्यप्रदेश के नगरीय निकाय कर्मचारियों और उनके परिवारों को एक बड़ा सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा कवच मिला है। राज्य सरकार ने सेवाकाल के दौरान असमय काल कवलित होने वाले कर्मचारियों के आश्रितों को संबल प्रदान करने के लिए अनुग्रह अनुदान देने का एक अत्यंत संवेदनशील निर्णय लिया है। सरकार का यह कदम नगरीय प्रशासन के मैदानी कार्यकर्ताओं के सुरक्षित भविष्य के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस कल्याणकारी निर्णय के तहत मध्यप्रदेश वेतन पुनरीक्षण नियम, 2017 के दायरे में आने वाले नगर पालिक निगम, नगर पालिका परिषद एवं नगर परिषद के कर्मचारियों को शामिल किया गया है। सेवा में रहते हुए किसी कर्मचारी की मृत्यु होने पर उनके आश्रितों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इसके तहत दी जाने वाली राशि की गणना कर्मचारी के बैण्ड वेतन तथा ग्रेड पे के सम्मिलित योग के छह गुना के बराबर की जाएगी, जिसकी अधिकतम सीमा 1,25,000 रुपये (एक लाख पच्चीस हजार रुपये) निर्धारित की गई है।यह हितैषी निर्णय 1 अप्रैल, 2025 और उसके उपरांत घटित होने वाले सभी प्रकरणों पर समान रूप से प्रभावशील होगा। इस घोषणा से नगरीय निकायों के मैदानी अमले में हर्ष की लहर है, क्योंकि दु:ख की घड़ी में मिलने वाली यह त्वरित सहायता उनके आश्रित परिवारों को तात्कालिक आर्थिक संकट से उबारने और उन्हें एक सामाजिक संबल देने में बेहद मददगार साबित होगी।

खबर संक्षेप

किसानों को जैविक, प्राकृतिक एवं समन्वित खेती का दिया गया प्रशिक्षण

उमरिया। जिले में कृषि विभाग द्वारा किसानों को आधुनिक, टिकाऊ एवं लाभकारी खेती के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिले में खेत बताओ अभियान चलाया जा रहा हैं। अभियान के तहत विभागीय अधिकारी एवं कृषि विशेषज्ञ गांव-गांव पहुंचकर शिविर आयोजित कर किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों और सरकारी योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं। इसी क्रम में मानपुर विकासखंड के ग्राम बड़ार में कृषि जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया शिविर में दलहन निदेशालय भोपाल से आए डॉक्टर महेश कुमार निदेशक, दल उपसंचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी ने किसानों को जैविक, प्राकृतिक एवं समन्वित खेती के महत्व और इसके लाभों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों पर अत्यधिक निर्भरता कम कर प्राकृतिक और जैविक खेती अपनाने से खेती की लागत घटती है, मिट्टी की उर्वरता और जैविक गुणवत्ता बनी रहती है तथा बेहतर गुणवत्ता के साथ अधिक लाभकारी उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। शिविर के दौरान किसानों की कृषि संबंधी समस्याओं को भी गंभीरता से सुना गया तथा विशेषज्ञों ने उनके समाधान के लिए आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया। साथ ही फसल प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य, जैविक खाद के उपयोग एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा की गईं। अधिकारियों ने किसान के खेत में पहुंच कर डीएस आर के माध्यम से धान एवं अरहर की बोनी कराई गई इसके अलावा किसानों से प्राकृतिक एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि खेती अधिक लाभकारी और भविष्य के लिए सुरक्षित भी बनेगी। इस दौरान भारी संख्या में महिला एवं पुरुष किसान उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में 135 आवेदकों की सुनी की गई समस्याएं

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय एवं सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने जिले के दूर दराज से आए 135 आवेदकों की समस्याओं को सुना तथा आवेदनों के निराकरण के लिए संबंधित विभाग की ओर आवेदन प्रेषित किया । जनसुनवाई में खेम्मा विश्वकर्मा पति स्व. धन्नूलाल विश्वकर्मा उम्र 80 वर्ष निवासी खलेसर उमरिया ने अपने पोते एवं नातिन बहूं द्वारा दुव्यवहार किए जाने की शिकायत की। इसी तरह लूप्पन बाई पति नंदलाल वार्ड नंबर 12 झिरिया मोहल्ला बिरसिंहपुर पाली ने बेटा एवं बहू व्दारा परेशान किए जाने संबंधी आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर ने एसडीएम बांधवगढ को निर्देश दिए कि संबंधितों को नोटिस तामिल कराकर समझाईश दी जाए अन्यथा उनके विरूध्द भरण पोशण अधिनियम के तहत कार्यवाही प्रस्तावित करें। इसी प्रकार पाली विकासखंड के ग्राम गोरइया निवासी युवक ने इलाज कराने के लिए जयपुर जाने हेतु किराए की मांग की जिस पर कलेक्टर ने रेडक्रास सोसायटी से हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। जनसुनवाई में अनुज तिवारी ग्राम धनवाही ने भूमि का सीमांकन कराने, बिहारी लाल चौधरी सेमरीटोला ने भूमि का पटटा दिलाने, इंद्रपाल जायसवाल ग्राम परासी अ ने कपिलधारा की स्वीकृत राशि दिलाने, शिव कुमारी यादव चंदिया ने आगवामन हेतु मार्ग दिलाने, रानी गुप्ता बैगांव ने आवासीय पटटा दिलाने, रश्मि रैदास मझगवां ने मुख्यमंत्री कल्याणी योजना का लाभ दिलाने, दसोदिया बाई यादव मानपुर ने वृध्दावस्था पेंशन दिलाने, बबलू बर्मन ने स्वीकृत पीएम आवास की किश्त दिलाने, अर्चना उपाध्याय करकेली ने आर्थिक सहायता दिलाने, मंथन बैगा बिलासपुर ने भूमि का नक्सा तरमीम कराने, नत्थूलाल साहू पुराना पड़ाव ने पीएम किसान सम्मापन निधि योजना का लाभ दिलाने संबंधी आवेदन दिया। संबंधित आवेदनों को अधिकारियों को प्रेषित कर समुचित कार्यवाही करनें के निर्देश कलेक्टर व्दारा दिए गए। जनसुनवाई में एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह , तहसीलदार बांधवगढ़ दिलीप सोनी सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

शिकायतबाज़ी कर रंगदारी वसूलने वाले ब्लैकमेलर का पर्दाफाश

25 लाख के बाद अब 50 लाख की डिमांड

आहूजा परिवार को तबाह करने की बड़ी साजिश, चारों खाने चित होने के बाद भी नहीं सुधरा आदतन शिकायती, पुलिस अधीक्षक से कानूनी कार्रवाई और तत्काल गिरफ्तारी की मांग

उमरिया।

जिला मुख्यालय में आरटीआई और झूठी शिकायतों की आड़ में संभ्रांत नागरिकों को मानसिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित करने वाले एक बड़े ब्लैकमेलिंग सिंडिकेट का सनसनीखेज मामला सामने आया है। खालेसर (होंडा एजेंसी के पास) निवासी विकास सचदेव पिता पवन कुमार सचदेव पर शहर के प्रतिष्ठित आहूजा परिवार ने ब्लैकमेलिंग, रंगदारी और जान से मारने की धमकी देने का बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक (एसपी) उमरिया के समक्ष न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस अधीक्षक को सौंपे गए शिकायती पत्र में पीड़ितो ने साक्ष्यों के साथ खुलासा किया है कि किस तरह आरोपी विकास सचदेव पिछले कई वर्षों से उनके पूरे परिवार को अपनी झूठी शिकायतों के जाल में फंसाकर लाखों रुपये की अवैध वसूली का गंदा खेल खेल रहा है।

आपराधिक हठधर्मिता नहीं हुई कम

पुराना पड़ाव उमरिया निवासी चंद्रप्रकाश आहूजा, किशोर कुमार आहूजा, विनोद कुमार आहूजा, श्रीमती पूजा आहूजा और वंदना आहूजा ने संयुक्त रूप से इस प्रताडऩा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि ब्लैकमेलिंग का यह घिनौना खेल वर्ष 2023 से अपने चरम पर है। 22 जून 2023 को आरोपी विकास सचदेव ने आहूजा परिवार को झूठी शिकायतों में फंसाने का खौफ दिखाकर सीधे 25 लाख रुपये की मोटी रकम की

डिमांड की थी। उस वक्त आहूजा परिवार ने घुटने टेकने के बजाय उमरिया थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई थी, जिस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनसीआर काटी थी। इसके बाद मामला सिविल न्यायालय उमरिया तक पहुंचा, जहां न्यायालय द्वारा परिवाद को संज्ञान में लेते हुए आरोपी विकास सचदेव के खिलाफ मामला पंजीबद्ध किया गया। वर्तमान में आरोपी इसी संगीन केस में जमानत पर बाहर घूम रहा है, लेकिन उसकी आपराधिक हठधर्मिता कम होने का नाम नहीं ले रही है।

हर जगह बर्बाद कर दूंगा!

शिकायत के मुताबिक 27 जून की रात करीब 11 बजे की है। जब पीड़ित चंद्रप्रकाश आहूजा अपने घर पुराना पड़ाव की तरफ जा रहे थे, तभी रास्ते में जैन मंदिर के पास घात लगाकर बैठे विकास सचदेव ने उन्हें रोक लिया। आरोपी ने सरेराह गुंडागर्दी पर उतारू होते हुए कहा तुमने जितने केस लगाए हैं, सब वापस ले लो और मुझे 50 लाख रुपये नकद दो। अगर नहीं दिए, तो तुम्हारी पत्नी, भाइयों और पूरे परिवार को मुख्यमंत्री, कलेक्टर और एसपी के यहां झूठी शिकायतें करके ऐसा फंसाऊंगा कि जिंदगी जेल में सड़ जाएगी। आरोपी ने खुलेआम धमकी दी कि वह उन्हें रास्ते से हटवा देगा (मर्डर करा देगा) और तीनों भाइयों का नाम किसी बड़े आपराधिक केस में लिखवा देगा। आरोपी ने यह भी धौंस दिखाई कि वह अब तक 100 झूठी शिकायतें कर चुका है और आगे महिलाओं के विरुद्ध भी झूठी शिकायतें और सीएम हेल्पलाइन लगाकर परिवार को पूरी तरह तबाह कर देगा।

हर जांच में आहूजा परिवार निकला पाक-साफ

हैरान करने वाली बात यह है कि आरोपी विकास सचदेव कोई नौसिखिया अपराधी नहीं, बल्कि एक प्रोफेशनल शिकायती है। आहूजा परिवार द्वारा पुलिस को सौंपे गए दस्तावेजों के अनुसार, वह अब तक इस परिवार के खिलाफ लगभग 150 झूठी शिकायतें अलग-अलग विभागों में कर चुका है। प्रशासनिक जांचों में आहूजा परिवार पूरी तरह से पाक-साफ पाया गया है और विकास की सभी शिकायतें द्वेषपूर्ण एवं मनगढ़ंत साबित हुई हैं। पीड़ितों को अब तक उसकी 81 झूठी शिकायतों की आधिकारिक सूची मिल चुकी है, जिसे पुलिस अधीक्षक को बतौर सबूत सौंपा गया है।

कमेटियों ने भी खारिज किए आरोप

आरोपी की साजिशों का जाल कितना गहरा है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसने वर्ष 2023 में मध्य प्रदेश की आर्थिक अपराध शाखा रीवा से भी आहूजा परिवार के खिलाफ विधिवत जांच करवाई थी, लेकिन सच्चाई की ताकत के आगे आरोपी के झूठ का किला ढह गया और ईओडब्ल्यू रीवा ने गहन तफ्तीश के बाद आहूजा परिवार को पूर्णतः दोषमुक्त कर दिया। इतना ही नहीं, वर्ष 2019 से 2023 के बीच कलेक्टर उमरिया के यहां भी इस आदतन ब्लैकमेलर ने कई बार झूठी शिकायतें कीं, जिसके बाद प्रशासन द्वारा विशेष जांच कमेटियां गठित की गईं। उन कमेटियों की जांच के उपरांत भी आहूजा परिवार को क्लीन चिट मिली।

माननीय हाईकोर्ट जबलपुर से भी लगा करारा तमाचा

प्रशासनिक और वित्तीय स्तर पर मुंह की खाने के बाद आरोपी ने भूमि विवाद का सहारा लेकर जाल बुनना चाहा। वर्ष 2024-25 में कलेक्टर उमरिया के माध्यम से 11 जून 2024 को आहूजा परिवार को एक नोटिस थमाया गया था। यह नोटिस आराजी खसरा नंबर 89/1, रकबा 0.165 हेक्टेयर भूमि के मुआवजे की राशि के गबन के झूठे आरोपों से संबंधित था। इस प्रशासनिक ज्यादती के खिलाफ आहूजा परिवार ने बिना वक्त गंवाए माननीय उच्च न्यायालय (हाईकोर्ट) जबलपुर का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट में दायर रिट पिटीशन पर सुनवाई करते हुए देश की शीर्ष अदालत ने दूध का दूध और पानी का पानी कर दिया। माननीय उच्च न्यायालय ने स्पष्ट आदेश पारित करते हुए चंद्रप्रकाश आहूजा, किशोर कुमार, विनोद कुमार, पूजा आहूजा और वंदना आहूजा को पूरी तरह से निर्दोष साबित किया और आरोपी के दावों को सिरे से खारिज कर दिया।

कब कसा जाएगा इस ब्लैकमेलर पर शिकंजा

हाईकोर्ट, ईओडब्ल्यू, कलेक्टर और जिला अदालत से लगातार बेनकाब होने के बाद अब आरोपी विकास सचदेव हताशा और बौखलाहट में हिंसक तौर-तरीकों पर उतर आया है। कानून की धज्जियां उड़ाते हुए वह अब खुलेआम रंगदारी और जान से मारने की धमकियां दे रहा है। आहूजा परिवार ने एसपी उमरिया से गुहार लगाई है कि इस आदतन अपराधी, ब्लैकमेलर और समाज के शांतिभंग करने वाले तत्व के खिलाफ कठोरतम धाराओं के तहत आपराधिक मुकदमा दर्ज कर उसे तत्काल जेल की सलाखों के पीछे भेजा जाए, ताकि शहर के सम्मानित नागरिक निर्भय होकर जी सकें। बहरहाल, अब देखना यह है कि कानून के रक्षक इस शातिर ब्लैकमेलर पर कब और कितना सख्त हंटर चलाते हैं।

शिक्षा विकास के व्दार खोलती है: कलेक्टर

कलेक्टर ने विद्यालय में बच्चों का किया मार्गदर्शनस्कूल चले हम अभियान के तहत जिले भर की स्कूलों में कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। जिले में स्कूल चले हम अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत शासकीय विद्यालयों में प्रवेशोत्सव एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य कार्यक्रम पीएमश्री शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कालरी उमरिया में आयोजित हुआ। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही विकास के द्वार खोलती है। यदि विद्यार्थी पूरी ईमानदारी, लगन और निष्ठा के साथ अध्ययन

करेंगे तो सफलता निश्चित रूप से उनके कदम चूमेगी। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन का पालन करने, नियमित रूप से विद्यालय आने तथा पढ़ाई को बोझ न मानकर सीखने का माध्यम समझने की अपील की। उन्होंने कहा कि विद्यालय में पढ़ाए गए विषयों का प्रतिदिन घर पर पुनरावृत्ति करें तथा किसी भी विषय में कठिनाई होने पर अपने शिक्षकों से मार्गदर्शन अवश्य लें। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ अपनी रुचियों और प्रतिभाओं को भी विकसित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि खेल, चित्रकला, संगीत जैसी हॉबी जीवन को संतुलित और समृद्ध बनाती हैं, इसलिए पढ़ाई के साथ इन गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी करें। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर ने अर्चना यादव का कक्षा नवमी में विद्यालय में प्रवेश कराया तथा छात्रों को नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित किया। स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत जिले की समस्त शासकीय शालाओं में विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों के प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों को प्रेरक के रूप में नामित किया गया। इन अधिकारियों ने अपने-अपने आवंटित विद्यालयों में पहुंचकर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया तथा शिक्षा के प्रति प्रेरित किया।कार्यक्रम में भोपाल से प्राप्त टीएलएम शिक्षा सामग्री कलेक्टर व्दारा विद्यालय के प्राचार्य को सौपी गई । कार्यक्रम में जिला समन्वयक सर्व शिक्षा अभियान के.के. डेहरिया, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक बच्चों का विद्यालयों में प्रवेश सुनिश्चित करने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया।

डीजल नहीं मिलने से किसानों के साथ वाहन चालकों को करना पड़ा परेशानी का सामना

हरिभूमि न्यूज कोतमा। मंगलवार को नगर के पेट्रोल पंपों पर डीजल नहीं मिलने से किसानों के साथ ही वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में खरीफ की बोनी के समय पेट्रोल पंपों पर डीजल की भारी किल्लत हो गई है। किसानों को अपने ट्रैक्टर और कृषि यंत्र चलाने के लिए पर्याप्त डीजल नहीं मिल रहा है। जिसके कारण उन्हें लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। मंगलवार को तो स्थिति यह हो गई कि नगर मे किसी भी पेट्रोल पंप मे डीजल उपलब्ध नही था। जून और जुलाई का समय खेतों में जुताई, बखरनी और बोनी के लिए बहुत जरूरी होता है। डीजल न मिलने से खेतों में ट्रैक्टर बंद पड़े हैं। पेट्रोल पंप संचालकों द्वारा किसानों को उनकी मांग के अनुसार पूरा डीजल नहीं दिया जा रहा है। उन्हें एक बार में सीमित लीटर ही तेल मिल रहा है। सुरक्षा कारणों और सरकारी नियमों के चलते कई पंपों पर खुले डिब्बे, कैन या ड्रमों में डीजल देने से मना किया जा रहा है। इससे दूरदराज के किसानों को भारी परेशानी हो रही है। तेल खत्म होने की अफवाहों से पैनिक बाइंग घबराहट में जरूरत से ज्यादा खरीद बढ़ गई है, जिससे पंपों पर स्टॉक खत्म होने लगा है। मंगलवार को नगर मे स्थित पेट्रोल पंपों पर डीजल नही होने के कारण किसान पेट्रोल पंप से वारंग लौट रहे थे किसानों का कहना था कि वर्तमान मे खेतों मे जुताई के साथ ही बोनी का काम चल रहा है डीजल नही मिलने के कारण खेतों मे काम नही हो पा रहा है एक ओर बारिश नही हो रही है ऊपर से डीजल की किल्लत। वहीं वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा वाहन चालक एक पेट्रोल पंप से दूसरे तीसरे पंपों का रूख करते हुए परेशान होते रहे।

खतरों से भरता जा रहा राष्ट्रीय राजमार्ग क्र 43 का सफर, जगह-जगह उभर आई दरारें

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 का सफर खतरों से भरता जा रहा है। हाईवे की सड़क में जगह-जगह उभर आई दरारे और कई पुलियों के बीच बने गड्ढों से कभी भी बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। कई जगहों पर सड़क पर बनी दरारें और गड्ढों को भरने के लिए काम चलाऊ तरीके से थेगडी लगाए गए थे जो वाहनों की धमक से उखड़ चुके हैं। कोतमा से बेलिया फाटक एवं अनुपपुर से कोतमा के बीच सड़क में एक दर्जन से अधिक जगहों पर हाईवे की टूटी-फूटी सड़क विभागीय हीला हवाली की पोल खोल रही हैं। अनुपपुर से बदरा के बीच गोडहारी पुलिया में बीचों बीच गड्ढा हो गया है जिसके मरम्मत कार्य करवाये जाने विभागीय अधिकारियों का ध्यान ही नही जा रहा है। साधा तिराहा मे फ्लाई ओवर ब्रिज मे भी जगह-जगह सडक मे गड्ढे हो गये हैं इतना ही नही साधा तिराहा से पसला के बीच सड़क मे की जगह दरार आ गई है यहां तक की सड़क मे जगह जगह बीच से सड़क दो हिस्सों

मे बटी नजर आ रही है। लोगों का कहना है कि जब टोल टैक्स के नाम पर लाखों करोड़ों रुपए की वसूली की जा रही है तो सड़क की मरम्मत क्यों नहीं कराई जा रही है। हाईवे में कोतमा अनूपपुर के बीच कोतमा नगर से बाहर निकलते ही वन डिपो के पास एवं राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 कोतमा से मनेद्रगढ़ जाने वाले रास्ते में भारत पेट्रोलियम टंकी के आगे पुल के ऊपर सहित कोतमा बिजुरी जानें वाले रास्ते में कई जगह छोटे-छोटे गड्ढे बन गये हैं। साथ ही बेलिया फाटक फ्लाई ओवर ब्रिज से लेकर टोल प्लाजा तक कई जगह सड़क में दरारें आ गई है। इन गड्ढों को भरने के लिए सीमेंट एवं डामर से पैच वर्क कराया गया था लेकिन हर बार सीमेंट डामर भरने के बाद कुछ ही दिन में उखड़ जाती हैं। कई जगह सड़कों पर दरारें दिखनी शुरू हो गई हैं। संबंधित एजेंसी के ठेकेदार द्वारा इस गड्ढे को भरने के लिए एवं दरार भरने के लिए पैच वर्क नहीं कराया गया जिसके कारण सड़क जगह जगह उखड़ने लगी हैं सड़कों पर दरारें होने के कारण दो पहिया वाहन चालकों को दुर्घटना का अंदेशा होने के साथ ही वाहनों के पहिए अनबैलेंस होने लगते हैं जिसके कारण कोई बड़ी दुर्घटना कभी भी घटित होने का अंदेशा बना हुआ है ।

बावड़ी उत्सव के साथ जल गंगा संवर्धन अभियान का विकासखंड स्तरीय समापन

जल स्रोतों की पूजा-अर्चना व श्रमदान कर संरक्षण का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।

मध्य प्रदेश शासन के जल संरक्षण संकल्प के तहत 30 मार्च से 30 जून तक संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान का विकासखंड स्तरीय समापन कार्यक्रम मंगलवार को ग्राम पंचायत मलगा स्थित बकुलमुनि आश्रम धाम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अभियान के तृतीय चरण बावड़ी उत्सव के अंतर्गत कलश यात्रा, जल स्रोतों की पूजा-अर्चना, श्रमदान तथा जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक उमेश पांडे की उपस्थिति रही। राम मंदिर में आरती के बाद श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों ने कलश यात्रा निकाली और बावड़ी सहित जल उद्गम स्थलों की पूजा-अर्चना कर साफ-सफाई अभियान चलाया। इस दौरान जल संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन का सामूहिक संकल्प भी लिया गया। जिला समन्वयक उमेश पांडे ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान का उद्देश्य पारंपरिक जल स्रोतों जैसे बावड़ी, तालाब और कुओं का संरक्षण, पुनर्जीवन तथा जनभागीदारी के माध्यम से जल संकट का स्थायी समाधान करना है। उन्होंने कहा कि बावड़ी उत्सव समाज को अपनी सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक जल स्रोतों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम है तथा भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण और जल बचाने के लिए जनजागरूकता अभियान लगातार जारी रहेगा। रामकिशोर जन उत्थान समिति के प्रतिनिधि नागेंद्र सिंह ने अभियान के अंतर्गत किए गए विभिन्न कार्यों की जानकारी देते हुए ग्रामीणों से जल एवं पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। परिषद की परामर्शदाता शिवानी सिंह ने अभियान के तीनों चरणों की जानकारी देते हुए जल संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। समाजसेवी हीरालाल ने जल के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए, जबकि सरपंच रेखा सिंह ने ग्रामीणों से सभी जल स्रोतों को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति गंभीरवाटोला के सचिव रमेश लाल केवट ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर परामर्शदाता शिवानी सिंह, सरपंच रेखा सिंह, पसान नगर विकास प्रस्फुटन समिति के प्रतिनिधि विजय जायसवाल, रामकिशोर जन उत्थान समिति के नागेंद्र सिंह, अभिनव समाजसेवी संस्था के मुकेश गौतम, कोशिश सेवा समिति के अमीन अहमद, समाजसेवी हीरालाल, मंदिर के पुजारी, दुल्लीचंद, ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारी, सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

12वां वेतन समझौता लागू होने तक नहीं थमेगा आंदोलन-रोशन उपाध्याय

कोतमा कॉलरी भालूमाड़ा वर्कशॉप में बीएमएस की हुंकार

सैकड़ों श्रमिकों ने किया प्रदर्शन, प्रबंधन को दी निर्णायक संघर्ष की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। एसईसीएल के जमुना-कोतमा क्षेत्र अंतर्गत कोतमा कॉलरी भालूमाड़ा वर्कशॉप में मंगलवार, 30 जून को भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) द्वारा 12वें राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौते (जेबीसीसीआई-12) को तत्काल लागू कराने की मांग को लेकर विशाल गेट मीटिंग आयोजित की गई। गेट मीटिंग में सैकड़ों की संख्या में कोयला श्रमिक शामिल हुए और केंद्र व कोल इंडिया प्रबंधन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए लंबित वेतन समझौते को शीघ्र लागू करने की मांग उठाई। श्रमिकों ने स्पष्ट किया कि मांग पूरी होने तक चरणबद्ध आंदोलन लगातार जारी रहेगा। गेट मीटिंग को संबोधित करते हुए बीएमएस के एरिया महामंत्री रोशन उपाध्याय ने कहा कि कोयला श्रमिकों के धैर्य की लगातार परीक्षा ली जा रही है। वर्षों से लंबित 12वें वेतन समझौते को टालना लाखों श्रमिकों और उनके परिवारों के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों ने उत्पादन बढ़ाने में हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन जब उनके अधिकारों की बात आती है तो प्रबंधन चुप्पी साध लेता है। यह स्थिति अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रोशन उपाध्याय ने दो टूक शब्दों में कहा, जब तक 12वां वेतन समझौता लागू नहीं होगा, तब तक भारतीय मजदूर संघ का आंदोलन किसी भी कीमत पर नहीं रुकेगा। गेट मीटिंग, धरना, प्रदर्शन और चरणबद्ध आंदोलन लगातार जारी रहेगा। यदि प्रबंधन ने जल्द निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और अधिक व्यापक एवं निर्णायक बनाया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी कोल इंडिया प्रबंधन की होगी। क्षेत्रीय अध्यक्ष विजय सिंह ने कहा कि वेतन समझौते में हो रही अनावश्यक देरी से श्रमिकों में भारी असंतोष है। बीएमएस श्रमिकों के सम्मान और अधिकारों के लिए अंतिम दम तक संघर्ष करेगा तथा किसी भी दबाव में पीछे नहीं हटेगा। क्षेत्रीय नेता सरजू ने कहा कि कोयला श्रमिकों की एकता ही बीएमएस की सबसे बड़ी ताकत है। संगठन श्रमिक हितों की रक्षा के लिए पूरी मजबूती के साथ मैदान में है और मांग पूरी होने तक आंदोलन निरंतर जारी रहेगा। यूनियन नेता संजय सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि 12वें वेतन समझौते में हो रही देरी से श्रमिकों का मनोबल प्रभावित हो रहा है। अब समय आ गया है कि प्रबंधन श्रमिकों की आवाज सुने और तत्काल समझौता लागू करे। यदि ऐसा नहीं हुआ तो पूरे क्षेत्र के श्रमिक एकजुट होकर आंदोलन को और तेज करेंगे। गेट मीटिंग के दौरान सैकड़ों महिला पुरुष श्रमिकों ने एक स्वर में 12वां वेतन समझौता तत्काल लागू करने की मांग दोहराई। बीएमएस नेताओं ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति या संगठन का नहीं, बल्कि लाखों कोयला श्रमिकों के अधिकार और सम्मान की लड़ाई है तथा जब तक 12वां वेतन समझौता लागू नहीं होता, तब तक संघर्ष लगातार जारी रहेगा।

खबर संक्षेप

बैठक में समाज के बच्चों को शिक्षित करने दिया जोर

सिलौंडी। सिलौंडी आगमन पर भाजपा प्रदेश संयोजक मछुआरा प्रकोष्ठ श्याम निषाद का स्वागत हुआ। इसके बाद पंचमुखी दरबार में एक पेड़ मां के नाम पर लगाया गया। सिलौंडी नेगाई मांझी समाज के सामाजिक भवन में एक सभा किया गया जिसमें बर्मन मांझी समस्त निषाद वंश समाज से जुड़े लोगों ने अपने अपने विचार में सामाजिक शिक्षा को बढ़ाने पर जोर दिया । प्रदेश संयोजक श्याम निषाद ने समाज के युवाओं को शासकीय योजनाओं के माध्यम से स्वरोजगार कर अपनी आय बढ़ाने की जानकारी दिया साथ ही समरता के साथ सबका साथ सबका विकास की नीति पर कार्य करने की बात कहीं।सरपंच पंचों संतोष बर्मन ने सामाजिक बंधुओ को अपने बच्चों को जरूर शिक्षित करने की बात कहीं।इस दौरान मंडल अध्यक्ष मनीष सिंह बागरी,मंडल उपाध्यक्ष अमित राय, सरपंच पंचों संतोष कुमार, संतोष निषाद , शिकुमार मांझी ,प्रवीण बर्मन ,सहित सकल निषाद समाज के वरिष्ठ युवा जन की उपस्थित रही ।

मानसिक रूप से अस्वस्थ वृद्ध को पहुंचाया घर

कटनी। थाना उमरियापान पुलिस ने एक वृद्ध को सुरक्षित उनके घर पहुंचाया। 90 वर्षीय रामचरण बर्मन, पिता धन्नी बर्मन, निवासी बरौदा, पसीने से लथपथ हालत में लाठी के सहारे पैदल अपने घर की ओर जाते हुए दिखाई दिए। वृद्ध की स्थिति देखकर थाना उमरियापान पुलिस ने संवेदनशीलता दिखाते हुए उन्हें डायल-112 वाहन में बैठाया तथा जलपान कराया। पुलिस ने वृद्ध से नाम-पता पूछकर उन्हें सुरक्षित उनके घर बरौदा पहुंचाया। घर पहुंचने पर परिजनों से पूछताछ में जानकारी मिली कि वृद्ध पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं और बिना बताए घर से कहीं भी निकल जाते हैं। इस कार्य में थाना प्रभारी महेन्द्र जायसवाल, प्रधान आरक्षक आशीष झारिया एवं पायलट इन्द्रराज पौराणिक की भूमिका रही।

झंडा चौक और बस स्टैंड स्थित शौचालयों में अटी पड़ी गंदगी

उमरियापान। नगर के मुख्य बाजार स्थित झंडा चौक तथा टोला रोड बस स्टैंड पर बने सार्वजनिक शौचालय इन दिनों बदहाली का शिकार हैं। दोनों शौचालयों में लंबे समय से नियमित सफाई नहीं होने के कारण गंदगी का अंबार लगा हुआ है। शौचालयों से उठ रही तेज दुर्गंध के कारण लोगों का वहां खड़ा होना भी मुश्किल हो रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि बाजार और बस स्टैंड जैसे व्यस्त स्थानों पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग इन सार्वजनिक शौचालयों का उपयोग करते हैं। लेकिन सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर लघुशंका के लिए पहुंचने वाले लोग दुर्गंध और गंदगी से परेशान होकर बिना उपयोग किए ही लौटने को मजबूर हो रहे हैं। राहगीरों और व्यापारियों का कहना है कि सार्वजनिक शौचालयों की नियमित साफ-सफाई और रखरखाव की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत की है, लेकिन जिम्मेदारों की अनदेखी के कारण व्यवस्था बदहाल हो गई है।

बाइक चालक ने महिला को मारी टक्कर

कटनी। बड़वारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बड़ागांव तिराहा मेन रोड पर एक मोटरसाइकिल चालक ने मुन्नीबाई गोड़ 47 वर्ष, निवासी दुरघटी पिपरिया, स्लीमनाबाद को सामने से सीधी टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में मुन्नीबाई को शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने मोटरसाइकिल क्रमांक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर वाहन को कब्जे में लेने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

तगावर में 23.65 लाख की पीसीसी रोड निर्माण में भारी भ्रष्टाचार, मजदूरों को नहीं मिली मजदूरी, ग्रामीणों में आक्रोश

जयसिंहनगर।शहडोल जिले के जनपद पंचायत जयसिंहनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत तगावर से भ्रष्टाचार का एक बड़ा मामला सामने आया है। यहाँ वार्ड क्रमांक 13 और 14 में ₹23 लाख 65 हजार की स्वीकृत राशि से पीसीसी रोड का निर्माण कराया गया है, जिसमें न केवल घटिया सामग्री का उपयोग किया गया, बल्कि काम करने वाले गरीब मजदूरों का भुगतान तक डकार लिया गया है।

15 तगाड़ी रेत-गिट्टी में सिर्फ 1 तगाड़ी सीमेंट!

ग्रामीणों और निर्माण कार्य में लगे मजदूरों ने सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। मजदूरों के मुताबिक, निर्माण के दौरान तकनीकी मानकों की धज्जियां उड़ाते हुए 15 तगाड़ी रेत और 15 तगाड़ी गिट्टी में महज 1 तगाड़ी सीमेंट मिलाया गया। इस भारी हेरफेर के कारण सड़क बनते ही उखड़ने की कगार पर पहुंच गई है।

पसीने की कमाई के लिए तरस रहे मजदूर

स्थानीय मजदूर मुन्ना कोल ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया:हमने इस कड़कड़ाती धूप में सड़क निर्माण में जी-तोड़ मेहनत की, लेकिन हमें हमारी 5-5 दिनों की मजदूरी का भुगतान आज तक नहीं किया गया। जब भी पैसे मांगते हैं, तो टालमटोल कर दिया जाता है।

सरपंच, सचिव और इंजीनियर की 'साठगांठ' का आरोप

ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि इस पूरे खेल में सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक और विभागीय इंजीनियर की मिलीभगत है। इन सभी ने आपस में साठगांठ कर सरकारी राशि का 'बंदरबांट' कर लिया है और कागजों पर चमचमाती सड़क दिखाकर जनता के पैसों का गबन किया है।

प्रशासन से निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग

इस मामले को लेकर स्थानीय निवासियों और मजदूरों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन और वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि:गुणवत्ता विहीन कार्य की जमीनी स्तर पर निष्पक्ष जांच कराई जाए। प्रमुख मांगों में

पीड़ित मजदूरों को उनकी रुकी हुई मजदूरी का तुरंत भुगतान कराया जाए।

भ्रष्टाचार में लिप्त जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और दोषियों पर क्या कार्रवाई होती है।

आयुष्मान कार्डधारकों से वसूला एक भी पैसा, तो सीधे नपेगा नर्सिंग होम

शहडोल संभाग के स्वास्थ्य मुखिया की सख्त बैठक

शहडोल। निजी अस्पतालों द्वारा मरीजों की जेब काटने और सरकारी नियमों को ताक पर रखने की शिकायतों को शहडोल एवं रीवा संभाग के क्षेत्रीय संचालक (स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा) डॉ. जीएस परिहार ने बेहद गंभीरता से लिया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के सभागार में प्राइवेट नर्सिंग होम संचालकों की एक आपात बैठक लेते हुए क्षेत्रीय संचालक ने साफ लहजे में चेतावनी दी कि निजी अस्पतालों की मनमानी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अस्पताल चलाना है, तो शासन के कड़े मापदंडों का पालन हर हाल में करना ही होगा।

आयुष्मान कार्ड के नाम पर अवैध वसूली हुई, तो होगी जेल

क्षेत्रीय संचालक ने नर्सिंग होम संचालकों

को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी आयुष्मान भारत योजना के तहत चिन्हित अस्पतालों में पात्र मरीजों का शत-प्रतिशत निः शुल्क इलाज सुनिश्चित किया जाए। डॉ. जीएस परिहार ने कहा शिकायतें मिल रही हैं कि आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद कुछ निजी अस्पताल मरीजों से अतिरिक्त शुल्क वसूल रहे हैं। यह सीधे तौर पर धोखाधड़ी है। अगर किसी भी कार्डधारक से एक रुपया भी लिया गया, तो उस नर्सिंग होम का लाइसेंस निरस्त कर संचालक पर सीधे कानूनी एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण

बैठक के तुरंत बाद डॉ. परिहार ने जिला चिकित्सालय शहडोल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने वार्डों में जाकर सीधे मरीजों और उनके परिजनों से संवाद किया और मिल रही सुविधाओं (दवाइयां, भोजन, स्वच्छता) की हकीकत जानी। निरीक्षण के दौरान मिली कुछ कमियों पर उन्होंने गहरी नाराजगी जताते हुए व्यवस्थाओं को तत्काल दुरुस्त करने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सरकारी अस्पताल में आने वाले गरीब मरीज को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। इस दौरान सीएमएचओ डॉ. राजेश मिश्रा, सिविल सर्जन डॉ. शिल्पी सराफ सहित स्वास्थ्य विभाग के तमाम आला अधिकारी मौजूद रहे, जिन्हें क्षेत्रीय संचालक ने मुस्तैदी से अपनी जिम्मेदारी निभाने की नसीहत दी।

केशवाही में पटवारी की मनमानी के खिलाफ फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

गलत सीमांकन और अवैध वसूली के गंभीर आरोप, एसडीएम से शिकायत

शहडोल। जिले की जनपद पंचायत बुढ़ार के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत केशवाही में एक सरकारी कारिंदे की निरंकुशता और कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ ग्रामीणों का आक्रोश सातवें आसमान पर पहुंच गया है। हलका नंबर 81 के पटवारी रघुवीर सिंह सेन पर शासकीय मर्यादाओं को ताक पर रखकर किसानों को प्रताड़ित करने, बरसात के मौसम में नियम विरुद्ध व गलत तरीके से भूमि का सीमांकन करने और उसके एवज में मोटी रकम ऐंठने के बेहद गंभीर आरोप लगे हैं। इस तानाशाही रवैये से त्रस्त ग्रामीणों की शिकायत पर अब ग्राम पंचायत भी पटवारी के विरोध में खुलकर मैदान में उतर आई है। सरपंच देवकी सिंह द्वारा हस्ताक्षरित एक आधिकारिक पत्र अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जैतपुर को सौंपकर आरोपी पटवारी पर तत्काल उचित दंडात्मक कार्रवाई की मांग की गई है।ग्रामीणों और ग्राम पंचायत द्वारा सौंपे गए शिकायत पत्र में पटवारी की कार्यशैली पर कई तीखे सवाल उठाए गए हैं। शिकायत के अनुसार, पटवारी रघुवीर सिंह सेन द्वारा जानबूझकर बरसात के इस सीजन में किसानों की कृषि भूमि का गलत ढंग से नाप-जोख किया जा रहा है, जो कि पूरी तरह से नियम विरुद्ध है। इस गलत और दोषपूर्ण सीमांकन के कारण गांव के सीधे-साधे कृषक आपस में ही विवाद और लड़ाई-झगड़े की स्थिति में आ गए हैं। आरोप है कि पटवारी जानबूझकर ऐसा माहौल तैयार कर रहे हैं ताकि ग्रामीणों में आपसी वैमनस्य बढ़े और वे भयभीत होकर उनकी नाजायज मांगों के आगे घुटने टेक दें।शिकायत पत्र में भ्रष्टाचार के इस खेल का भंडाफोड़ करते हुए साफ लिखा गया है कि पटवारी द्वारा हर एक कृषक से भूमि के सीमांकन के नाम पर खुलेआम तीन हजार से चार हजार रुपये की रिश्वत मांगी जा रही है। जो किसान यह चढ़ावा देने में असमर्थ हैं, उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। बात सिर्फ यहीं खत्म नहीं होती; ग्रामीणों ने पटवारी पर शासकीय भूमि (खसरा नंबर 419 और 731) पर भू-माफियाओं के साथ मिलकर जबरन अवैध अतिक्रमण कराने के भी संगीन आरोप लगाए हैं।पटवारी की इस मनमानी से परेशान होकर सबसे पहले दर्जनों पीड़ित किसानों (जिनमें कनकलाल, हेतराम, बिल्लू सिंह, उषा मिश्रा, बेलाबाई, सुधिया, भागचन्द पाव, विकास चौधरी, शंकर मिश्रा आदि शामिल हैं) ने 29 जून को ग्राम पंचायत को सामूहिक आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई थी। ग्रामीणों के इस दुख और आक्रोश को देखते हुए सरपंच देवकी सिंह ने अगले ही दिन 30 जून को कड़ा रुख अख्तियार किया। उन्होंने सीधे अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) जैतपुर को शासकीय लेटरपैड पर शिकायत भेजकर भ्रष्ट कार्यप्रणाली पर तुरंत रोक लगाने और आरोपी पटवारी के विरुद्ध सख्त से सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की मांग की है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस लापरवाह और बेलगाम पटवारी पर क्या हंटर चलाता है, या फिर रसूख के आगे गरीब किसान यूं ही पिसते रहेंगे।

चुंगी नाका में हुआ खिचड़ी वितरण

ब्यौहारी-। नगर परिषद के अंतर्गत चुंगी नाका के पास शनिवार को खिचड़ी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए संजय पांडे ने बताया कि प्रत्येक शनिवार यहां पर अलग-अलग चीजों का वितरण किया जाता है तो यात्री एवं बेसहारा लोगों को भोजन मिल जाता है सैकड़ो लोगों ने खिचड़ी प्रसाद ग्रहण किया क्षेत्र के विधायक शरद को ल मैं भी प्रत्येक शनिवार हो रहे इस आयोजन की सराहना की कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आशीष गुप्ता प्रेमदास त्रिवेदी प्रदीप पांडे दिलीप गुप्ता अजय साहू शिवम गुप्ता एवं चुंगी नाटक के अन्य व्यापारी भाइयों द्वारा कार्यक्रम सहयोग किया जाता है।

शिवांगी पांडे को मिला हाईकोर्ट से स्थगन

ब्यौहारी। ब्यौहारी- मुख्य नगर पालिका अधिकारी शिवांगी पांडे का स्थानांतरण उच्च न्यायालय ने स्थगन दिया है आपको बताते चलें की उनका स्थानांतरण दतिया जिले के भांडेर नगर परिषद में हो गया था स्थानांतरण पर अब उनको हाई कोर्ट से स्थगन मिल गया है उल्लेखनीय है कि शिवांगी पांडे मध्य प्रदेश लोक सेवा की नई अधिकारी है और ब्यौहारी में उनकी पहली पोस्टिंग है परिवीछा अवधि में हैं नियमों के मुताबिक परीविछा अवधि में किसी का ट्रांसफर नहीं किया जा सकता मात्र 3 महीने में हुये अचानक स्थानांतरण से उनको कार्य करने का मौका भी नहीं मिला ईन सबको देखते हुए उनके स्थानांतरण को उच्च न्यायालय ने स्थगन दिया है और फिर से मुख्य नगर पालिका अधिकारी के रूप में ज्वाइन करने का आदेश दिया है ब्यौहारी- में उनको आए अभी मात्र 3 महीने हुए हैं 3 महीने में 1 माह ट्रेनिंग में ही रही उन्होंने अपने छोटे से कार्यकाल के दौरान अच्छा कार्य किया है उनके आने से रुके हुए कई निर्माण कार्य फिर से शुरू हो गए निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं पारदर्शी तरीके से कराए जा रहे हैं स्वच्छता को लेकर उनके किए गए नवाचारों की नगर वासियों ने प्रशंसा की है।

यातायात बाधित कर पार्किंग बनाने से व्यापारियों आक्रोश

ब्योहारी। ब्योहारी नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 2 चुंगी नाका स्थित रीवा - सीधी राजमार्ग पर किराना दुकानदार के द्वारा अपने दुकान का समान बीच सड़क में पीकप खड़ा कर यातायात बाधित कर पार्किंग बना लिया है और किराना दुकानदार के द्वारा समान कि लोडिंग अनलोड करता हुआ और दूसरे दुकानदार के सामने वाहन खड़ा कर दुकानदारों धमकी देते हुए किराना व्यापारी बोलता है हम ऐसे ही बीच वाहन खड़ा सड़क किसी नहीं है। हमारी गाड़ी आएंगी तो हम इसी तरह अपने दुकान का समान लोडिंग अनलोड करता रहूंगा जिसको जो करना कर लेना मैं सम्बंधित विभाग तक चढ़ोत्री देता और चाहे मै गलत साइड माल लोडिंग अनलोड करू किसी का क्या नुक़सान होता है जब किराना दुकानदार के आस पास व्यापारी वाहन गलत खड़ा होने का विरोध करते तो उन दुकानदार से झगड़ने लगते हैं। आपको बता दूं कि रीवा सीधी राजमार्ग पर से न्यायालय व एस डी एम कार्यालय व मजिस्ट्रेटी न्यायालय व तहसील तक पहुंचने का वही रास्ता है फिर भी अधिकारी नजर अंदाज कर के आगे का रास्ता आना जाना बना रहता फिर भी कोई नहीं बोलते है। दुकानदारों ने जिला प्रशासन से अपेक्षा है कि नगर परिषद क्षेत्र में सड़क किनारे खड़े वाहनों पर रोक लगाई जाए जिससे भविष्य को अन होनी घटनाएं घटित न हो जबकि पिछले कुछ माह पहले कई घटनाएं घटित हो चुकी है कई बार समाचार पत्र प्रकाशन हो चुका है लेकिन प्रशासन ने संज्ञान नहीं ले रहा है अपेक्षा है कि सड़क किनारे वाहन खड़ा करने वालों के ठोस कदम उठाए जाएं जिससे भविष्य में किसी प्रकार कोई घाटना न घाटित हो।

'सेफ क्लिक 2.0' अभियान के तहत पुलिस ने विद्यार्थियों को दिए साइबर अपराध से बचाव के टिप्स

उमरिया। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे 'सेफ क्लिक 2.0' अभियान के तहत यह पहल की गई, जिसका उद्देश्य बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों सहित समाज के हर नागरिक को साइबर धोखाधड़ी से बचाना है। यह अभियान 24 जून से 8 जुलाई तक चलेगा। इसी क्रम में उमरिया पुलिस अधीक्षक विजय भागवानी के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक शर्मा के मार्गदर्शन पर पाली थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा की उपस्थिति में एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल पाली में विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने के लिए एक शिविर का आयोजन किया गया।उन्होंने विद्यार्थियों को समाज में हो रहे विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों, जैसे ओटीपी फ्रॉड, साइबर लिंक फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, निवेश एवं ट्रेडिंग फ्रॉड, सोशल मीडिया फ्रॉड और बैंकिंग धोखाधड़ी के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

थाना प्रभारी मिश्रा ने इन अपराधों के विभिन्न कारणों और उनसे बचने के उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को अनजान नंबरों से आने वाले वीडियो कॉल रिसीव न करने, किसी भी लिंक या वीडियो को डाउनलोड न करने और अप्रत्याशित कमाई के लालच में न पड़ने की सलाह दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि साइबर अपराधी आम लोगों को ठगने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं, इसलिए सभी को सावधान और जागरूक रहना आवश्यक है।किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई, जिससे फ्रॉड करने वाले का खाता सीज किया जा सके।

पूर्व अध्यक्षों के सम्मान में भावुक हुआ लीनेस क्लब सेवा और समर्पण की विरासत को किया नमन

धनपुरी। समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय लीनेस क्लब बुढ़ार ने सोमवार को एक भावपूर्ण एवं गरिमामय समारोह आयोजित कर अपनी पूर्व अध्यक्षों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। क्लब की स्थापना से लेकर अब तक विभिन्न कार्यकालों में नेतृत्व करने वाली पूर्व अध्यक्षों को उनके उत्कृष्ट कार्य, सेवा भावना, संगठन को मजबूत बनाने और समाजहित में किए गए उल्लेखनीय योगदान के लिए स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में कई क्षण ऐसे भी आए, जब पूर्व अध्यक्षों ने अपने कार्यकाल की यादें साझा कीं और पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वर्तमान अध्यक्ष बिंदा भगत ने की। उन्होंने कहा कि लीनेस क्लब की आज की पहचान, उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा और सेवा कार्यों की मजबूत नींव पूर्व अध्यक्षों की मेहनत, दूरदृष्टि और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि क्लब की प्रत्येक पूर्व अध्यक्ष ने अपने कार्यकाल में समाज के विभिन्न वर्गों के लिए सेवा, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और जरूरतमंदों की सहायता जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए। यही संस्कार और सेवा की भावना आज भी क्लब की सबसे बड़ी ताकत है।समारोह में स्मेहलता गुप्ता, रजनी जैन, शैला गुप्ता, मोनिका अग्रवाल, अंजू अग्रवाल, साधना

अग्रवाल, प्रतिमा जैन, ज्योति खन्नूजा एवं अर्चना ओझा को स्मृति-चिह्न एवं सम्मान भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मान के दौरान उनके कार्यकाल की उपलब्धियों, नेतृत्व क्षमता और क्लब को नई दिशा देने में निभाई गई भूमिका का उल्लेख किया गया। सम्मानित पूर्व अध्यक्षों ने भी क्लब के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि लीनेस क्लब उनके लिए केवल एक संस्था नहीं, बल्कि सेवा और आत्मीयता का परिवार है।कार्यक्रम का संचालन कोषाध्यक्ष अर्चना ओझा एवं सचिव अंजू दुआ ने प्रभावी ढंग से किया। सचिव अंजू दुआ ने आभार प्रदर्शन करते हुए कहा कि पूर्व अध्यक्षों के अनुभव और मार्गदर्शन से क्लब भविष्य में भी समाजसेवा के नए आयाम स्थापित करेगा। उन्होंने सभी सदस्याओं से सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान भी किया। इस अवसर पर श्यामा गुप्ता, आरती खंडेलवाल, आरती खन्नूजा, जसमीत लांबा सहित क्लब की अनेक सदस्याएँ उपस्थित रहीं। सम्मान, आत्मीयता और संगठनात्मक एकजुटता से ओत-प्रोत यह समारोह लंबे समय तक उपस्थित सदस्यों के लिए यादगार बना रहा।

खबर संक्षेप

ग्राम पंचायत छिल्पा के रोजगार सहायक पर मनरेगा में अनियमितताओं के आरोप, जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जनपद पंचायत क्षेत्र की ग्राम पंचायत छिल्पा में पदस्थ रोजगार सहायक मोहनलाल साहू के विरुद्ध मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत अनूपपुर को एक लिखित शिकायत सौंपकर मनरेगा योजना में कथित अनियमितताओं की जांच कराने की मांग की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि मनरेगा योजना के तहत दर्जनों अपात्र एवं आर्थिक रूप से सक्षम परिवारों के जॉब कार्ड जारी कर फर्जी मस्टर रोल के माध्यम से भुगतान कराया गया, जिससे शासन को आर्थिक नुकसान हुआ। शिकायतकर्ता का यह भी दावा है कि रोजगार सहायक लंबे समय से एक ही ग्राम पंचायत में पदस्थ हैं तथा इस दौरान विभिन्न अनियमितताएं हुई हैं। आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि कुछ लाभार्थी कथित रूप से दुकानदार, व्यवसायी एवं संपन्न परिवारों से जुड़े हैं, जिन्हें नियमों के विपरीत मनरेगा का लाभ दिलाया गया। साथ ही शिकायत में रोजगार सहायक के रिश्तेदारों को भी कथित रूप से लाभ पहुंचाने और मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है। शिकायतकर्ता ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराते हुए यदि आरोप सही पाए जाएं तो संबंधित कर्मचारी से राशि की वसूली तथा नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की है। फिलहाल यह शिकायत जांच के अधीन है। आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। संबंधित रोजगार सहायक एवं जिला प्रशासन का पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

अनूपपुर में वन अधिकार दावों के निराकरण हेतु आज से चलेगा विशेष अभियान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। प्रदेश के साथ-साथ अनूपपुर जिले में भी वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत पूर्व में निरस्त दावों के पुनः परीक्षण, लंबित दावों तथा नवीन प्राप्त व्यक्तिगत, सामुदायिक एवं सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन संबंधी दावों के शत-प्रतिशत निराकरण के लिए 1 जुलाई से 31 अक्टूबर तक चरणबद्ध एवं समयबद्ध विशेष अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत व्यक्तिगत वन अधिकार एवं सामुदायिक वन अधिकार दावों का निराकरण नवीन एमपीएफआरए पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन किया जाएगा, जबकि सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन से संबंधित दावों का निराकरण ऑफलाइन प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। चार माह तक चलने वाले इस विशेष अभियान से जिले के पात्र हितग्राहियों को उनके वन अधिकारों का लाभ सुलभता से उपलब्ध कराया जा सकेगा। एमपी वनमित्र पोर्टल पर लंबित एवं नवीन दावों के निराकरण के लिए चरणबद्ध प्रक्रिया निर्धारित की गई है। इसके तहत ग्राम वन अधिकार समितियों द्वारा दावों का परीक्षण, स्थल निरीक्षण, नक्शा तैयार कर पोर्टल पर अपलोड करने तथा ग्राम सभा से संकल्प पारित कर दावों को उपखंड स्तरीय समिति को प्रेषित करने की कार्रवाई की जाएगी। उपखंड स्तरीय समिति द्वारा प्राप्त दावों एवं अपीलों का परीक्षण एवं निराकरण कर उन्हें अनुशंसा सहित जिला स्तरीय समिति को भेजा जाएगा। जिला स्तरीय समिति द्वारा दावों का अंतिम निराकरण किया जाएगा। स्वीकृत दावों के वन अधिकार पत्र तैयार कर पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे तथा हितग्राहियों को वितरित किए जाएंगे। अमान्य दावों के दावेदारों को दावा निरस्त करने के कारणों की लिखित सूचना प्रदान की जाएगी। इसके उपरांत जारी वन अधिकार पत्रों का वन एवं राजस्व विभाग के अभिलेखों में प्रविष्टिकरण कर वन अधिकार पत्रधारकों को अधिकार अभिलेख की प्रति उपलब्ध कराई जाएगी।

घटिया निर्माण और नियमों की अनदेखी के गंभीर आरोप, जांच कार्यवाही भगवान भरोसे

हर्राटोला पंचायत में पत्नी सरपंच पति बना ठेकेदार

आशा कार्यकर्ता पद के साथ सरपंच की सीट भी संभाल रही निर्वाचित सरपंच रामदुलारी नत्थू सिंह

अनूपपुर जिले की ग्राम पंचायत हर्राटोला में सरपंच रामदुलारी सिंह, उनके पति नत्थू सिंह और पंचायत सचिव के खिलाफ ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाते हुए एसडीएम पुष्पराजगढ़ और जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के मुख्यकार्यपालन अधिकारी को शिकायत सौंपे अब 1 महीना बीतने को है लेकिन जिम्मेदार अपने ही मस्ती में मस्त नजर आ रहे है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच बनने के बाद पंचायत के अधिकांश निर्माण कार्य उनके पति के माध्यम से कराए गए है, जिनमें भारी वित्तीय अनियमितता, घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग और ग्राम सभा की मंजूरी के बिना कार्य कराए गए है कुछ कार्य ऐसे भी है जो सिर्फ कागजों में तो है पर जमीनी हकीकत में दिखाई ही नहीं पड़ते है। ग्रामीणों ने पूरे कार्यकाल की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

जिले की जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के ग्राम पंचायत हर्राटोला एक बार फिर गंभीर आरोपों के कारण चर्चा में है। ग्रामीणों द्वारा सौंपे गए शिकायत पत्र में आरोप लगाया गया है कि सरपंच रामदुलारी सिंह के कार्यकाल में पंचायत के अधिकांश विकास कार्य उनके पति द्वारा ठेकेदारी के माध्यम से कराए गए है। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता की अनदेखी की गई, फर्जी तरीके से भुगतान निकाला गया तथा ग्राम सभा की स्वीकृति के बिना योजनाओं को क्रियान्वित किया गया है। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि सरपंच रामदुलारी सिंह आशा कार्यकर्ता के रूप में भी कार्यरत हैं और अपने दोनों पदों का उपयोग कर प्रशासन को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है। शिकायत में पूरे कार्यकाल के विकास कार्यों, भुगतान, गुणवत्ता और नियमों के पालन की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों पर कार्यवाही की मांग की गई है।

सरपंच बनने के बाद पति को ठेकेदारी देने का आरोप

ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच रामदुलारी सिंह के निर्वाचित होने के बाद पंचायत के लगभग सभी निर्माण कार्य उनके पति नत्थू सिंह के माध्यम से कराए गए है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि पंचायत के कार्यों में पारदर्शिता नहीं बरती गई और ठेकेदारी जैसी व्यवस्था अपनाकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पंचायत प्रतिनिधि स्वयं या उनके निकट संबंधी पंचायत कार्यों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष लाभ नहीं ले सकते, लेकिन इस सिद्धांत की अनदेखी की गई है। अब इस पूरे मामले की जांच भगवान भरोसे अधर में लटकते दिखाई पड़ रही है।

आशा कार्यकर्ता रहते शासन को गुमराह करने का आरोप

ग्रामीणों का आरोप है यह भी है कि सरपंच रामदुलारी सिंह वर्तमान में आशा कार्यकर्ता के रूप में भी कार्यरत हैं। ग्रामीणों का दावा है कि दोनों भूमिकाओं के कारण प्रशासनिक कार्यों में निष्पक्षता प्रभावित हुई है तथा शासन को भ्रामक जानकारी दी गई है। शिकायतकर्ताओं ने मांग की है कि संबंधित विभाग यह स्पष्ट करे कि दोनों जिम्मेदारियों के निर्वहन में किसी प्रकार के सेवा नियमों या दिशा-निर्देशों का उल्लंघन हुआ है या नहीं। इस संबंध में भी स्वतंत्र जांच की मांग की गई है।

घटिया निर्माण और लाखों की वित्तीय अनियमितता के आरोप

ग्रामीणों के अनुसार पंचायत में सड़क, पुल और अन्य विकास कार्यों में मानकों का पालन नहीं किया गया है। शिकायत में आरोप है कि गिट्टी और बोल्डर के स्थान पर घटिया सामग्री का उपयोग किया गया है कई सड़कों में बिना बेस डाले ही सड़क की ढलाई कर दी है है, जबकि भुगतान उच्च गुणवत्ता वाले कार्यों के नाम पर किया गया है। कुछ कार्यों में वास्तविक लागत से कई गुना अधिक राशि निकालने का भी आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों ने तकनीकी जांच, माप पुस्तिका, भुगतान रजिस्टर और निर्माण सामग्री की जांच कराने की मांग की है।

नियमों की अनदेखी और हितों के टकराव का आरोप

ग्रामीणों ने शिकायत करते हुए अधिकारियों के समक्ष कहा है कि पंचायत के निर्वाचित प्रतिनिधि को अपने पद का उपयोग निजी या पारिवारिक लाभ के लिए नहीं करना चाहिए। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि यदि सरपंच के पति द्वारा पंचायत के कार्य कराए गए हैं तो यह हितों के टकराव का मामला हो सकता है। ग्रामीणों ने मांग की है कि प्रशासन यह जांच जल्द से जल्द करे कि क्या कार्यों का आवंटन और भुगतान पंचायत एवं वित्तीय नियमों के अनुरूप हुआ या नहीं तथा कहीं नियमों का उल्लंघन तो नहीं हुआ है अगर हुआ है तो नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की करे।

पूरे कार्यकाल की जांच और कार्यवाही की मांग

ग्रामीणों ने सामूहिक हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन देकर सरपंच, सचिव और संबंधित अधिकारियों के पूरे कार्यकाल की जांच की मांग की है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि पंचायत में हुए सभी विकास कार्यों का सामाजिक अंकेक्षण, वित्तीय ऑडिट और तकनीकी परीक्षण जल्द ही करवाया जाए और ग्राम पंचायत की जनता के समक्ष रखा जाए। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम तथा अन्य लागू वित्तीय नियमों के तहत कार्यवाही की जाए। साथ ही, जांच पूरी होने तक संदिग्ध निर्माण कार्यों के भुगतान और नए कार्यों पर रोक लगाने की मांग भी की गई है।

इनका कहना है

शिकायत प्राप्त हुई है जल्द ही जांच कर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी, आशा कार्यकर्ता के संबंध में स्वास्थ्य विभाग को पत्राचार किया गया है जैसे ही दस्तावेज जानकारी प्राप्त होती है कार्यवाही नियमानुसार होगी।

हरीश चंद्र द्विवेदी
मुख्य कार्यपालन अधिकारी, पुष्पराजगढ़

कोतमा जनपद क्षेत्र में अवैध रेत कारोबार को लेकर उठे सवाल, कार्रवाई की मांग तेज

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

कोतमा जनपद क्षेत्र के अंतर्गत बिजुरी, कोतमा और भालूमाड़ा थाना क्षेत्रों में केवई नदी के कटकोना, बैहाटोला एवं आसपास के रेत घाटों पर कथित अवैध रेत उत्खनन, परिवहन और भंडारण को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि रात के समय बड़ी संख्या में भारी वाहनों के माध्यम से बिना वैध दस्तावेजों के रेत का परिवहन किया जाता है, जिससे शासन को लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है।

शिकायतकर्ताओं का दावा है कि बरसात से पहले बड़े पैमाने पर रेत का अवैध भंडारण किया जाता है, जिसे बाद में अधिक कीमत पर बेचा जाता है। उनका कहना है कि क्षेत्र के कई स्थानों पर अवैध रूप से रेत का स्टॉक देखा जा सकता है, जबकि संबंधित लोगों के पास वैध ट्रांजिट पास (टीपी) उपलब्ध नहीं होते। कुछ लोगों ने यह भी आरोप लगाया है कि अवैध कारोबार में संलिप्त तत्वों को संरक्षण मिलने के कारण उनके वाहन बिना रोक-टोक संचालित होते हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस, खनिज एवं राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। उनका आरोप है कि विभाग एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालते हैं, जिससे अवैध गतिविधियों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। नागरिकों ने जिला प्रशासन, पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर से मांग की है कि रात्रिकालीन संयुक्त अभियान चलाकर रेत घाटों, परिवहन मार्गों और कथित अवैध भंडारण स्थलों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही दोषी पाए जाने वाले लोगों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। (नोटरू समाचार में लगाए गए सभी आरोप शिकायतकर्ताओं के दावों पर आधारित हैं। संबंधित विभागों का पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

बिजुरी पुलिस की नशे के कारोबार पर कार्रवाई 747 ग्राम गांजा व 16 लीटर अवैध शराब जब्त

हरिभूमि न्यूज बिजुरी।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बिजुरी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 747 ग्राम गांजा एवं 16 लीटर अवैध शराब जब्त की है। इस कार्रवाई में तीन आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक प्रकरण दर्ज किए गए हैं। जब्त मशरूका की अनुमानित कीमत करीब 12 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम तथा एसडीओपी कोतमा आरती शाक्य के मार्गदर्शन में थाना बिजुरी पुलिस लगातार मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर शिकंजा कस रही है। पुलिस के अनुसार 28 जून को मुखबिर से सूचना मिली कि लोहसरा स्थित ठाकुर बाबा मंदिर के पास एक व्यक्ति गांजा बिक्री की नीयत से मौजूद है। सूचना पर थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घेराबंदी कर घनश्याम यादव (48), निवासी कनईटोला, बिजुरी को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 747 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 231/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। इसी अभियान के दौरान पुलिस ने अवैध शराब के विरुद्ध भी कार्रवाई करते हुए रतन सिंह (55) निवासी माइनस कॉलोनी बिजुरी, राकेश सिंह कंवर (45) निवासी उमरदा तथा शीतल प्रसाद पनिका (30) निवासी उमरदा के कब्जे से कुल 4 लीटर अंग्रेजी शराब एवं 12 लीटर देसी महुआ शराब जब्त की। तीनों आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विकास सिंह, उपनिरीक्षक प्रभाकर पटेल, बृजेश पाण्डेय, प्रधान आरक्षक सतीष मिश्रा तथा आरक्षक लक्ष्मण दांगी, मनोज उपाध्याय, रामनिवास गुर्जर, रवि सिंह और संगम तोमर की सराहनीय भूमिका रही।

जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत ने 78 आवेदनों में की सुनवाई

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में आयोजित किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी ने 78 आवेदनों पर जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर कमलेश पुरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी। ग्राम गुंवारी, तहसील जैतहरी के निवासी भगवान दीन राठौर ने बोरवेल खनन की अनुमति प्रदान किए जाने, बनगवां, तहसील कोतमा के निवासी जयराम पनिका ने मकान क्षतिग्रस्त होने पर सहायता राशि स्वीकृत किए जाने, तथा पुरानी बस्ती, वार्ड क्रमांक-6, कोतमा के निवासी कृष्ण पाल सिंह ने गरीबी रेखा सूची में नाम जोड़े जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। इसी प्रकार ग्राम पारसवार, तहसील अनूपपुर के निवासी छोटेलाल सिंह ने सीसीसी ऋण योजना का लाभ प्रदान किए जाने, तथा ग्राम खालेदूधी, तहसील पुष्पराजगढ़ की निवासी श्रीमती ओमवती ने विधवा पेंशन स्वीकृत किए जाने एवं गरीबी रेखा सूची में नाम जोड़े जाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त, ग्राम खाड़ा, तहसील अनूपपुर के निवासी शंकर लाल बैगा ने जनमन योजना के अंतर्गत आवास उपलब्ध कराए जाने, ग्राम देवहरा, तहसील अनूपपुर के निवासी संत राम चौधरी ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ प्रदान किए जाने, ग्राम कांसा, तहसील अनूपपुर के निवासी संत लाल यादव ने बंधवा टोला स्थित तालाब की मेढ़ का जीर्णोद्धार कराए जाने तथा ग्राम खालेदूधी, तहसील पुष्पराजगढ़ के निवासी चैन सिंह ने गरीबी रेखा सूची में नाम जोड़े जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया।

तेज रफ्तार आर्टिका कार अनियंत्रित होकर घर में घुसी, बड़ा हादसा टला

कोतमा से मनेन्द्रगढ़ जा रही कार हुई दुर्घटनाग्रस्त
वाहन में सवार 8 वर्षीय बालक सहित 3 लोग सुरक्षित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले के डोला नगर परिषद क्षेत्र में सोमवार कि शाम तक़रीबन 6:30 बजे को एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया, जब तेज रफ्तार से जा रही एक आर्टिका कार अनियंत्रित होकर सीधे एक घर में जा घुसी। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी और हड़कंप की स्थिति बन गई। जानकारी के अनुसार कोतमा से मनेन्द्रगढ़ की ओर जा रही आर्टिका कार अचानक अनियंत्रित हो गई। तेज गति में होने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और कार सड़क किनारे नाले को पार करते हुए वार्ड क्रमांक 3 निवासी कुंदन गुप्ता के घर में जा घुसी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक वाहन काफी तेज रफ्तार में था, जिसके चलते हादसा बेहद भयावह हो सकता था। कार के घर में घुसते ही आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया और मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। हालांकि घर खाली होने के कारण किसी भी जनमानस को कोई भी घटना घटित नहीं हुई है बताया गया कि वाहन में कुल 3 लोग सवार थे, जिनमें एक 8 वर्षीय बालक भी शामिल था। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में वाहन सवार किसी भी व्यक्ति को गंभीर चोट नहीं आई। साथ ही घर के अंदर मौजूद लोग भी सुरक्षित बताए जा रहे हैं, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए वाहन में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही संबंधित अमला मौके पर पहुंचा और स्थिति का जायजा लिया। फिलहाल हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार और वाहन के अनियंत्रित होने को दुर्घटना का मुख्य कारण माना जा रहा है।

बीते 24 घंटे में जिले में 5.8 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 5.8 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र जैतहरी में 2.1 मिली मीटर, वेंकटनगर में 16.5 मिली मीटर, पुष्पराजगढ़ में 3.2 मिली मीटर, अमरकंटक में 23 मिली मीटर तथा बेनीबारी में 1.6 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई। वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर, कोतमा तथा बिजुरी में वर्षा निरंक दर्ज की गई।